हमको तो लूट लिया मिलकर पापड़ वालों ने

आपके खाने का जायका बढ़ाने वाले महंगे पापड़ की ये खबर आपको निवाले में कंकड़ जैसी लग सकती है, लेकिन ये जानना जरुरी है कि कुरकुरा पापड़ कैसे मुनाफाखोरों की पकड़ में है। डेढ़ रुपए की लागत में तैयार होने वाला एक पापड़ कैसे रेस्टोरेंट में आपकी थाली तक पहुंचते पहुंचते तीस और चालीस रुपए का हो जाता है, ये समझना जरूरी है। कभी खाने के साथ कॉम्लीमेंट्री सा परोसे जाने वाला पापड़ उस समय मंहगा हुआ जब बाजार में मूंग मोगर (धुली हुई मूंग की दाल) की कीमत 115 रुपए से 120 रुपए किलो तक जा पहुंची।

इसके साथ ही पापड़ के दाम बाजार में 250 से 275 रुपए किलो हो गए, वहीं मॉल में सजे पापड़ के पैकटों पर 300 रुपए एमआरपी दर्ज हो गई। लेकिन अब मूंग की कीमत 58 से 60 रुपए किलो पर वापस आ गई है लेकिन पापड़ महाशय के भाव बाजार में अब भी बढ़े हुए हैं। नतीजा मध्यम वर्ग की थाली से पापड़ अब गायब सा हो गया है।कभी खाने के पहले मसाला पापड़ का ऑर्डर करने वालों की थाली में अब सादा पापड़ भी दिखना मुश्किल हो गया है।

घर छूटा कीमत बढ़ी

दरअसल घर की दहलीज लांघते ही पापड़ मुनाफाखोरों की पकड़ में आ गया..कभी घर की गृहणियों के चौकी बेलन पर आकार लेने वाला पापड़ अब फैक्ट्रियों के शोर में कुटता पिटता है। पड़ोसनों के व्यस्तता ऐसी बढ़ी कि अब पापड़ बेलने का समय किसी के पास नहीं है।

नतीजा बस एक प्रोडक्ट बन कर रह गया है पापड़, लिहाजा उसकी कीमत भी बढ़ गई है। बाजार में ब्रांडेड और खुले पापड़ों की कीमत में भी खासा अंतर है।बिन बिल के पापड़ बेचने का खेल भी जमकर चल रहा है। पैक पापड़ चार माह तक ही खाने लायक होता है लेकिन पापड़ो के पैकटों पर किसी एक्सपायरी डेट का उल्लेख नहीं होता।

फैक्ट फाइल

एक किलो पापड़ की लागत

मूंग आटा – 60 रुपए

मसाला(100ग्राम)-45 रुपए

मजदूरी – करीब 10 रुपए

कुल – करीब 115 रुपए प्रति किलो

एक किलो पापड़ की कीमत – 280 से 300 रुपए किलो

ब्रांडेड पापड़ की क्वालिटी ठीक है, किंतु भाव काफी अधिक हैं। इतने महंगे भाव के पापड़ का मध्यम वर्ग के परिवार रोजाना उपयोग नहीं कर सकते हैं। पापड़ के भाव कम होना चाहिए।

-साक्षी गंगराड़े, उपभोक्ता, इंदौर

पापड़ बेचने वाले बड़े व्यापारी ब्रांड के दाम वसूल रहे हैं जबकि बिना ब्रांड के पापड़ भी अच्छी क्वालिटी के 200 रुपए किलो में बिक रहे हैं। ये भाव अधिक है। मूंग मोगर के भाव घटने से पापड़ के भाव घटना चाहिए।

– जम्बूकुमार आंचलिया, किराना व्यवसायी, इंदौर

ब्रांड नेम से पापड़ बेचने वाले बहुत अधिक भाव ले रहे हैं। वास्तव में ब्रांडेड पापड़ के भाव 140 से 150 रुपए किलो होना चाहिए। मूंग मोगर के भाव काफी समय पहले से ही कम हो गए हैं।

– राधेश्याम लाहोटी, दाल मिल मालिक, इंदौर

पापड़ की कई वैरायटी

आम धारणा यही रही है कि पापड़ मूंग, उड़द एवं चने के बनाए जाते है लेकिन रेडीमेड पापड़ बनाकर बेचने वालों ने अनेक मसालों एवं स्वाद के पापड़ बाजार में उपलब्ध करा दिए हैं। मूंग का सादा पापड़, पंजाबी मसाला पापड़, उड़द पंजाबी मसाला, पंजाबी मसाला, चटपटा चना, लहसुन गोल्ड मसाला, उड़द स्पेशल खट्टामिट्ठा, चना लहसुन, चना लहसुन डिस्को, मूंग डिस्को एवं पापड़ कतरन बाजार में उपलब्ध हैं। पापड़ मशीन और हाथों से बनाए जाते हैं लेकिन ज्यादातर लोग हाथ से बने पापड़ ही पसंद करते हैं।

साभार- http://naidunia.jagran.com/ से